“उमंग” - थियेटर के माध्यम से किशोरियों की आकांक्षाओं एवं सामाजिक समर्थन में वृद्धि

उमंग आई.सी.आर.डब्ल्यू द्वारा संकल्पित एवं आई.के.ई.ए. फाउंडेशन द्वारा समर्थित, लड़कियों के सशक्तिकरण का एक व्यापक, बहुस्तरीय कार्यक्रम है, जिसका उदेश्य झारखंड के गोड्डा और जामताड़ा जिलों में लड़कियों की स्कूल में उपस्थिति बढ़ाना तथा बाल विवाह की दर को कम करना है। उमंग को आई.सी.आर.डब्ल्यू द्वारा साथी, बदलाव फाउंडेशन, पीसीआई के साथ मिलकर और झारखंड सरकार के सहयोग से लागू किया जा रहा है। यह कार्यक्रम एक सामाजिक–पारिस्थितिकीय ढांचे और लैंगिक बदलाव के दृष्टिकोण का उपयोग करके व्यक्तिगत (किशोरियों), पारिवारिक (माता–पिता, भाई–बहन), समुदाय (पुरुष एवं लड़के, महिलाएं एवं अन्य सामुदायिक सदस्य) तथा सरकारी व्यवस्था प्रणाली (स्कूल, स्थानीय शासन–प्रशासन जैसे पीआरआई, बाल संरक्षण प्रणाली आदि) स्तरों पर बहुस्तरीय हस्तक्षेप के लिए काम करता है।

उमंग परियोजना का महत्वपूर्ण लक्ष्य किशोरियों की क्षमता को बढ़ाना है ताकि लड़कियां अपनी क्षमताओं को पहचानें, खुद को जानें और इस विश्वास के साथ बड़ी हों कि ''वह किसी से कम नहीं हैं''। शायद इसीलिए, जब प्रोजेक्ट उमंग समुदाय में संदेश पंहुचाने हेतु माध्यम का चयन कर रहा था, तो थियेटर ही एक विकल्प के रुप में उभरकर आया।

उमंग परियोजना ने कई महत्वपूर्ण मोड़ों पर थियेटर को विभिन्न तरीकों से जोड़ा है। इनमें शामिल थे परियोजना से जुड़ी लड़कियों की क्षमता निर्माण के लिए नाट्य प्रशिक्षण प्रदान करके उनके द्वारा तैयार किए गए नाटकों (स्किट्स) को ग्रामीणों के सम्मुख प्रस्तुत करना, स्कूल की उपस्थिति बढ़ाने, माता–पिता के सहयोग से शिक्षा जारी रखना और लड़कियों के रोजगार हेतु पेशेवर थियेटर मंडपों द्वारा मनोरंजक प्रारुप में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन। इसके अलावा, महामारी के दौरान उमंग कार्यक्रम ने कोविड–19 की वैक्सीन लेने एवं कोविड–उपयुक्त व्यवहार का पालन करने के महत्व पर छोटे रेडियो नाटकों का निर्माण और प्रसारण किया।

उद्देश्य और उपलब्धियां

उमंग कार्यक्रम का मानना है कि मौजूदा सामाजिक एवं लैंगिक रुढ़िवादिता के बावजूद अगर लड़कियों में आत्मनिर्णय की क्षमता है और उन्हें उपयुक्त वातावरण मिले, तो वे अपने रास्ते में आने वाली चुनौतियों को पार कर सकती हैं।

इसी संदर्भ में उमंग कार्यक्रम ने न केवल नुक्कड़ नाटक को लड़कियों की निरंतर शिक्षा एवं रोजगार के लिए प्रभावी माध्यम चुना, बल्कि लड़कियों और लड़कों के साथ आवासीय थियेटर कार्यशालाओं के माध्यम से किशोर लड़कियों के आत्मविश्वास, क्षमता और व्यक्तित्व विकास को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण सशक्तिकरण उपकरण के रुप में भी चुना।

दृष्टिकोण

किशोरों के लिए थियेटर आधारित संचार कार्यशालाएं

इन कार्यशालाओं के दौरान, प्रतिभागियों ने कई स्क्रिट प्रदर्शन किए, जिनकी पटकथाएं उनके वास्तविक जीवन के अनुभवों के आधार पर लिखी गयी थी। इन नाटकों और प्रदर्शनों के माध्यम से उन्होंने अपने समाज/परिवार में आने वाली चुनौतियों व भेदभावों को रचनात्मक रुप से सामने लाया और बताया कि वे उन परिदृश्यों को कैसे बदलना चाहते हैं। कार्यशाला में, थिएटर कौशल के साथ–साथ किशोरों ने व्यक्तित्व विकास, वित्तीय साक्षरता, साइबर सुरक्षा, प्रभावी संचार कौशल आदि जैसे अन्य पहलुओं को भी सीखा। इन कार्यशालाओं को पूरा करने के बाद लैंगिक असमानता, बाल विवाह जैसे मुद्दों पर नाट्य प्रदर्शन प्रतिभागियों द्वारा उनके मूल गांवों और सरकारी कार्यालय परिसरों में मंचित किए गए ताकि व्यवस्था और समाज को जोड़ा जा सके।

सामुदायिक नुक्कड़ नाटक अभियान

सामुदायिक नाटकों में पेशेवर थियेटर समूह ने गांवों में प्रदर्शन कर लड़कियों की औपचारिक शिक्षा जारी रखने के महत्व और बाल विवाह के दुष्प्रभाव पर चर्चा की। ये नुक्कड़ नाटक उन माता–पिताओं को सम्मानित करने का मंच भी बने, जिन्होंने अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद की। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण भाग माता–पिता द्वारा लिया गया एक संकल्प था, जिसमें उन्होंने अपनी बेटियों को स्कूल भेजने के लिए ठोस कदम उठाने की कल्पना की थी। उन्होंने संकल्प बैनर पर हस्ताक्षर करके उनकी शिक्षा के समर्थन हेतु प्रतिबद्ध होकर ऐसा किया। इस नुक्कड़ नाटक अभियान के दौरान कलाकारों ने नाटकों में बताए गये संदेशों से संबंधित पोस्टर भी चिपकाए, ताकि यह एक याद दिलाने का माध्यम बन सके।

चुनौतियां

किशोरियों ने इन आवासीय प्रशिक्षणों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। हालांकि, शुरुआत में किशोरियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, खासकर अपने परिवारों को छोड़कर पांच दिनों तक अन्य पुरुष प्रतिभागियों के साथ आवासीय कार्यशाला में रहने के संबंध में। नाटक और अन्य प्रदर्शन कला माध्यमों में प्रशिक्षयण प्राप्त करना और अंततः समुदाय के सामने उसे प्रस्तुत करना उनके लिए कोई छोटी उपलब्धि नहीं थी। उमंग के प्रमुख कर्मचारियों की पहल, माता–पिता और किशोरियों के साथ इस कार्यशाला के बारे में उनकी निरंतर बातचीत तथा परिवारों के साथ उनके संबंध इन चुनौतियों को दूर करने में बहुत मददगार रहे।

सहभागिता

इन सभी कार्यशालाओं का आयोजन उमंग के सहभागियों, सहयोगिनी और बंगलानाटक डॉटकॉम के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। यह नुक्कड़ नाटक अभियान उन्होंने आईसीआरडब्ल्यू की तकनीकी टीम के परामर्श एवं सहयोगात्मक मार्गदर्शन में लागू किया। सभी चरणों के लिए इन सामुदायिक स्तर के नुक्कड़ नाटक अभियानों का उद्घाटन एवं शुभारंभ जमताड़ा और गोड्डा जिलों के माननीय उपायुक्तों द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त, किशोर कार्यशाला के प्रतिभागियों द्वारा किए गये प्रदर्शन (स्क्रिट्स) को भी संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया।

विस्तार

उमंग ने दिसंबर 2021, अप्रैल 2022 और जनवरी 2024 में जमताड़ा और गोड्डा जिलों के 32 गांवों से 272 किशोर लड़कियों एवं लड़कों के साथ तीन ''किशोर थियेटर आधारित संचार व व्यक्तित्व विकास कार्यशालाएं'' आयोजित किये। इन कार्यशालाओं के दौरान 40 से अधिक स्क्रिप्ट्स तैयार किये गये जो बाद में किशोरों द्वारा गांव और ब्लॉक स्तर पर लैंगिक समानता, बालिका शिक्षा एवं बाल विवाह प्रतिबंध जैसे मुद्दों पद मंचित किए गए। इस मुहिम ने प्रतिभागियों के मूल गांवों सहित लगभग 5000 दर्शकों तक पहुंच बनाई। उमंग का उदेश्य इन कार्यशालाओं के माध्यम से किशोरों की प्रतिभाओं एवं आवाजों को सामने लाना है, ताकि वे समुदाय स्तर पर लैंगिक मानदंडों से संबंधित धारणाओं को बदलने के लिए अपनी कला और आत्मविश्वास का उपयोग करना जारी रखें। इसी तरह, पेशेवर थियेटर मंडपों द्वारा बाल विवाह पर रोक, लैंगिक समानता और बालिका शिक्षा जारी रखने के संदेशों को बढ़ावा देने हेतु मार्च 2021, नवंबर 2022 एवं दिसंबर 2024 में तीन चरणों में सामुदायिक स्तर पर नुक्कड़ नाटक अभियान शुरु किये गये, जिनमें से प्रत्येक चरण का अभियान 2–3 महीने का था। कुल मिलाकर तीन चरणों में 216 गांवों में 738 नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए, जो लगभग 130000+ दर्शकों तक पंहुचे, जिनमें किशोर, माता–पिता, स्कूल शिक्षक, छात्र, पीआरआई सदस्य तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

इसके अतिरिक्त, लगभग 10000 माता–पिता और अभिभावकों ने संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर किए तथा अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा में समर्थन देने की सहमति जताई, इस प्रकार उमंग के महत्वाकांशी दृष्टिकोण के साथ खुद को संरेखित किया।

फील्ड की आवाजें

''शुरु के दिन हम सभी डरे हुए थे और यह नहीं जानते थे कि क्या कहना है, कैसे बोलना है, लेकिन जैसे–जैसे कार्यशाला आगे बढ़ी, डर कम होने लगा और हम अधिक आत्मविश्वास महसूस करने लगे। आज, जब मैंने इतने सारे लोगों के सामने अभिनय किया और सभी ने तालियों से हमारा उत्साह बढ़ाया, तो मुझे विश्वास हो गया कि हम किसी से कम नहीं हैं''।

– ब्रिस्टी बाउरी, कार्यशाला से जुड़ी नाला ब्लॉक के कालीपहाड़ी गांव की एक किशोरी

''इस नाटक ने सभी ग्रामीणों, यहां तक कि अनपढ़ लोगों को भी बालिका शिक्षा के महत्व को समझने में मदद की, तथा माता–पिता को उनकी बेटियों का समर्थन करने में उनकी भूमिका के बारे में जागरुक किया। इस नाटक ने मुख्य संदेश को संप्रेषित करने में मदद् किया कि सबसे पहले अपनी बेटी की शिक्षा के बारे में सोचो, फिर शादी के बारे में''।

– सावित्री रॉय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, गोड्डा

''अगर ऐसा नुक्कड़ नाटक पहले होता और मेरे माता–पिता इसे देख पाते, तो शायद मेरी शादी इतनी कम उम्र में नहीं होती, जो कुछ भी गलत हुआ शायद वह मेरे साथ नहीं होता''।

– खुशबू कुमारी, मोतिया गांव, गोड्डा

हम इस उपलब्धि को साकार करने के लिए उमंग टीम के समर्पित सदस्यों के सामूहिक प्रयास की प्रशंसा करते हैं; आपके अमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद–नसरीन जमाल, शक्ति घोष, नितिन दत्ता, पारसनाथ वर्मा, बिनित झा, त्रिलोकी नाथ, रवि वर्मा, अमाजित मुखर्जी, प्रणिता अच्युत, संदीपा फांडा और अनुराग पॉल।

प्राथमिक लेखकः शक्ति घोष एवं अमाजित मुखर्जी

आई.सी.आर.डब्ल्यू एशिया रिजनल ऑफिस
मॉड्यूल नंबर-410, फोर्थ फ्लोर, एन.एस.आई.सी बिजनेस पार्क बिल्डिंग
ओखला इंडस्ट्रियल स्टेट, नई दिल्ली - 110020, भारत
फोनः +91-11-46643333 | फैक्सः 91-11-24635142
ईमेलः info.india@icrw.org
वेबसाइटः www.icrw.org/asia

आई.सी.आर.डब्ल्यू जामताड़ा प्रोजेक्ट ऑफिस
ग्राउंड फ्लोर, 726-ए/1 पी2, कृष्णा नगर,
मिहिजम, जामताड़ा, झारखंड - 815354